The Earth Summary in Hindi

एच ई बेट्स अंग्रेजी देश अर्थात इंग्लैण्ड कि गाँवों की छोटी कहानी है । इस कहानी में उन्होंने इंग्लैण्ड के एक गाँव के जोहनसन किसान और उसके पुत्र के तरफ हमारा ध्यान आकर्षित किया है । वह इस कहानी में हमें बतलाते हैं कि जोहनसन का पुत्र अपने घर से बहुत दूर चला जाता है और वह पृथ्वी पर जोहनसन की तरह मेहनत करता है । सत्यता यह है कि दो - पहिए कि गाड़ी से वह जोतने का कार्य करता है । वह कभी - कभी सोचता है कि पृथ्वी के बिना यह सब बेकार है आगे चल कर अर्थात तीस वर्षों की अवस्था में वह कुछ मुर्गियों को खरीदकर पालता है, अब वह मुर्गियों के खाने के रूप में उसका दाना देता है, मुर्गियों से वह प्रत्येक दिन अण्डे प्राप्त करता है, तथा अण्डों को बचेकर रुपया पैसा इकट्ठा करता है तथा अपने माता-पिता की सेवा करता है। अब उसके पास बहुत सी मुर्गियाँ हो जाती है, और एक सप्ताह में लगभग दो सौ अण्डे उससे प्राप्त हो जाते हैं, वह अण्डों को टोकरियों में लेकर लोगों के दरवाजे पर जाकर उसे बेचता है । अब उसके पास पर्याप्त धन हो जाते उसके माता-पिता उसके परिश्रम को देखकर बहुत प्रसन्न होते हैं, अब वह उसी व्यापार को आगे बढ़ाता है, तथा वह पृथ्वी पर अच्छा जीवन जीने के लिए, अब अण्डों को ट्रक के द्वारा दूसरे जगह भी भेज कर पैसा कमाता है, तथा कुछ रुपया पैसा बैंक में जमा करता है, वह अण्डे के ही व्यापार से अपने जीवन में बहुत सम्पत्ति इकट्ठा कर लेता है । वह इसी माध्यम से अच्छा-अच्छा मकान बनाता है, और उन मकानों को बेचकर अधिक पैसा कमाता है, आगे चलकर वह उस इलाके का एक अच्छा तथा धनवान व्यापारी कहलाता है, वह अपने पड़ोसियों की भी मदद करता है, जिससे समाज में सभी उसे स्नेह भाव से देखते हैं । इस कहानी में लेखक हमें यह बतलाता है कि इस धरती पर जन्म लेकर मानव चलना और कुछ करना सीखता है, अर्थात धरती के बिना सबकुछ बेकार है उसी तरह बुद्धि के बिना मानव का जीवन बेकार है, इस प्रकार बुद्धि के माध्यम से मानव अपने जीवन में कुछ कर सकता तथा आगे बढ़ रुकता है ।